http://www.ukboardonline.com

रोल नं0 | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

101

401 (IBR)

2015
हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के दो खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर यथा संभव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

राजनीति जितनी स्वस्थ हो, जीवन के सारे पहलू उतने ही स्वस्थ हो सकते हैं। राजनीति के पास सबसे बड़ी ताकत है। यह निर्विवाद सत्य है कि राजनीति में जो अशुद्धता है उसने जीवन के सब पहलुओ को अशुद्ध किया है।

सत्ता जिसके पास है वह दिखाई पड़ता है, सारे मुल्क को और जाने अनजाने हम उसकी नकल करना शुरू करते हैं। सत्ता की नकल होती है; क्योंकि लगता है कि सत्ता के शिखर पर बैठा आदमी ठीक होगा। अंग्रेज हिन्दुस्तान में सत्ता पर थे, तो हमने उनके कपड़े पहनने शुरु किए। सत्ता में अंग्रेज था, तो उसकी भाषा हमें अधिक गौरवपूर्ण मालूम होने लगी। सत्ताधारी जो करता है, सारा समाज वैसा करने लगता है। इसलिए राजनीति में अत्यधिक शुद्धता की जरूरत है। सबसे बड़ी जरूरत है कि वहाँ अच्छा आदमी हो। वह हमारे वीच खड़ा होकर नमूना बन जाता है और लोग उसकी तरफ देखकर वैसा होना शुरू कर देते हैं।

लोग पूछते हैं कि अच्छे आदमी के हाथ में राजनीति आ जाए तो क्या परिवर्तन हो सकते है ? अभूतपूर्व परिवर्तन हो सकते हैं। बुरा आदमी बुरा सिर्फ इसलिए है कि वह अपने स्वार्थ के अतिरिक्त कुछ नहीं सोचता। अच्छा आदमी अच्छा इसलिए है कि वह अपने स्वार्थ से, दूसरे के स्वार्थ को प्राथमिकता देता है। बुरा आदमी सत्ता में जाने के लिए सब बुरे साधनों का प्रयोग करता है। एक बार अगर बुरे साधनों का उपयोग हो जाय तो जीवन की सब दिशाओं में बुरे साधन प्रयुक्त होने लगते हैं।

समाज और राष्ट्र में आमूल परिवर्तन हो सकता है। अच्छा आदमी शीर्ष पर होगा तो वह अच्छे आदमी को पैदा करने की व्यवस्था करेगा। बुरा आदमी जो प्रतिक्रिया पैदा करेगा उससे और बुरे आदमी पैदा होते हैं। बुरा आदमी जब चलन में आता है तो अच्छा आदमी चलन से बाहर हो जाता है। बुरा आदमी कुर्सी पर बैठने से ऊँचा हो जाय तो जब कुर्सी छोड़ेगा नीचा हो जाएगा। इसलिए वह कुर्सी नहीं छोड़ना चाहता। अच्छा आदमी, अच्छा होने की वजह से कुर्सी पर बैठाया गया हो तो कुर्सी छोड़ने से नीचा नहीं होने वाला है। इसलिए अच्छा आदमी कुर्सी छोड़ने की हिम्मत रखता है।

(क) राजनीति का सामाजिक जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ? 3

(ख) 'सामाजिक अभ्युदय के लिए स्वस्थ राजनीति जरूरी है।' क्यों और कैसे ? 3

(ग) लोग सत्ता की नकल क्यों और किस रूप में करते हैं। 3

(घ) अच्छे आदमी के हाथ में राजनीति आने से किन सामाजिक परिवर्तनों की अपेक्षा की जा सकती है ? 3

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिये। 3

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) सूचना–क्रान्ति का जनजीवन पर प्रभाव (ख) हमारा प्रजातंत्र, भूत और भविष्य

(ग) महंगाई की समस्या व समाधान (घ) जल ही जीवन है

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 1×5=5

(क) खोजपरक पत्रकारिता किसे कहते हैं ? (ख) किसी हिन्दी मासिक पत्रिका का नाम बताइए।

(ग) 'कोलाज' किसे कहते हैं ? (घ) संचार माध्यम कितने प्रकार के होते हैं ?

(ङ) पत्रकारीय साक्षात्कार से क्या आशय है ?

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

4. 'सर्व शिक्षा अभियान की सार्थकता' **अथवा** 'प्रजातंत्र में नागरिक के दायित्व' विषय पर लगभग 150 शब्दों में एक आलेख लिखिये। 5

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3=6

(i) हो जाए न पथ में रात कहीं,
मंजिल भी तो है दूर नहीं –
यह सोच थका दिन का पंथी भी जल्दी–जल्दी चलता है!
दिन जल्दी–जल्दी ढलता है!
बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे –
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है!
दिन जल्दी–जल्दी ढलता है!

(क) 'दिन जल्दी–जल्दी ढलता है' का आशय समझाइए।
(ख) 'बच्चे प्रत्याशा में होंगे, नीड़ों से झाँक रहे होंगे–' काव्यांश की मानव–जीवन से तुलना करते हुए भाव स्पष्ट कीजिए।
(ग) उपर्युक्त कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

(ii) कविता एक खिलना है फूलों के बहाने
कविता का खिलना भला फूल क्या जाने!
बाहर भीतर
इस घर, उस घर
बिना मुरझाए महकने के माने
फूल क्या जाने ?
कविता एक खेल है बच्चों के बहाने
बाहर भीतर
यह घर, वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने।

(क) फूलों का 'बिना मुरझाए महकने' का भावार्थ क्या है ?
(ख) फूल और बच्चे को कविता के समानांतर रखने में कवि का आशय क्या हो सकता है ?
(ग) उक्त कविता के सन्दर्भ में 'सब घर एक कर देने' का आशय स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×2=4

जिंदगी में जो कुछ है, जो भी है
सहर्ष स्वीकारा है;
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है।
गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार–वैभव सब
दृढ़ता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव सब
मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल–पल में
जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है –
संवेदन तुम्हारा है!!

(क) कवि का 'भीतर की सरिता' से क्या आशय है और वह किस रूप में मौलिक है ?
(ख) कवि की संवेदनाओं को प्रेरित करने वाली शक्ति कौन है ?

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×2=4

(क) 'छोटा मेरा खेत' कविता के सन्दर्भ में **अंधड़** और **बीज** क्या हैं ?

(ख) अपनी पाठ्यपुस्तक में निहित 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में वर्णित व्यंग्य पर प्रकाश डालिए।

(ग) फिराक गोरखपुरी की गजलें आपको कितना प्रभावित करती हैं और क्यों ? उदाहरण देकर समझाइए।

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×3=6

(i) शिरीष का फूल संस्कृत–साहित्य में बहुत कोमल माना गया है। मेरा अनुमान है कि कालिदास ने यह बात शुरू–शुरू में प्रचार की होगी। उनका इस पुष्प पर कुछ पक्षपात था। कह गए हैं, शिरीष पुष्प केवल भौंरों के पदों का कोमल दबाव सहन कर सकता है, पक्षियों का बिल्कुल नहीं–'पदं सहेत–भ्रमरस्य पेलवं शिरीष पुष्पं न पुनः पतत्रिणाम्।' अब मैं इतने बड़े कवि की बात का विरोध कैसे करूँ ? सिर्फ विरोध करने की हिम्मत न होती तो भी कुछ कम बुरा नही था, यहाँ तो इच्छा भी नहीं है।

शिरीष के फूलों की कोमलता देखकर परवर्ती कवियों ने समझा कि उसका सब–कुछ कोमल है! यह भूल है। इसके फल इतने मजबूत होते हैं कि नए फूलों के निकल आने पर भी स्थान नहीं छोड़ते। जब तक नए फल–पत्ते मिलकर, धकियाकर उन्हें बाहर नहीं कर देते तब तक वे डटे रहते हैं। मुझे इनको देखकर उन नेताओं की बात याद आती है, जो किसी प्रकार ज़माने का रुख नहीं पहचानते और जब तक नई पौध के लोग उन्हें धक्का मारकर निकाल नहीं देते तब तक जमे रहते हैं।

(क) शिरीष–पुष्प के सम्बन्ध में कवि–कथन क्या है ? गद्यांश पर आधारित उदाहरण भी उद्धृत कीजिए।

(ख) शिरीष के फूल और फल में मूलभूत अन्तर क्या है ? वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य में इसकी तुलना कीजिए।

(ग) लेखक ने शिरीष के फल की तुलना वर्तमान नेताओं से की है। आप इससे कहाँ तक सहमत हैं ?

(ii) आप लोग मुझसे यह प्रश्न पूछना चाहेंगे कि यदि मैं जातियों के विरुद्ध हूँ, तो फिर मेरी दृष्टि में आदर्श समाज क्या है ? ठीक है, यदि ऐसा पूछेंगे, तो मेरा उत्तर होगा कि मेरा आदर्श–समाज स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता पर आधारित होगा। क्या यह ठीक नहीं है, भ्रातृता अर्थात भाईचारे में किसी को क्या आपत्ति हो सकती है ? किसी भी आदर्श–समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविधि हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह कि दूध–पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है, और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति ही नहीं है, लोकतंत्र मूलतः सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान–प्रदान का नाम है।

(क) लेखक की दृष्टि में आदर्श समाज के मुख्य बिन्दु क्या हैं ? स्पष्ट कीजिए।

(ख) समाज में भ्रातृत्व भाव कैसे विकसित किया जा सकता है ?

(ग) सच्चे लोकतंत्र की क्या विशेषताएँ होनी चाहिए ?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये : 3×2=6

(क) 'बाजार में आवश्यकता ही शोषण का रूप धारण कर लेती हैं।' बाज़ार दर्शन पाठ के आधार पर वर्तमान संदर्भ में इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(ख) पठित पाठ के आधार पर बताइऐ कि इन्दर सेना सबसे पहले गंगा मैया की जय क्यों बोलती है ? गंगा का हमारे सामाजिक परिवेश में क्या महत्व है ?

(ग) 'नमक' शीर्षक कहानी का सार–संक्षेप अपने शब्दों में लिखिए।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिये : 2×2=4

(क) 'टाई–सूट पहनना आना चाहिए लेकिन धोती–कुर्ता अपनी पोशाक है, यह नहीं भूलना चाहिए।' यशोधर बाबू के इस कथन के आधार पर उनकी जीवन–शैली का चित्रण कीजिए।

(ख) 'जूझ' कहानी के आधार पर उसके कथा नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ग) सिन्धु–घाटी की सभ्यता की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

11. 'जूझ' पाठ के आधार पर बताइए कि कथा के नायक के व्यक्तित्व पर सर्वाधिक प्रभाव किसका पड़ा और किस रूप में ? 5

अथवा

पठित पाठ के आधार पर मुअनजो–दड़ो के नगर नियोजन पर प्रकाश डालिए।

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

खण्ड – 'ब'

12. निम्नांकित गद्यांशं पठित्वा केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत : 2×3=6
(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल **तीन** प्रश्नों के, उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

पण्डितगोविन्दबल्लभपन्तस्य उच्चशिक्षा, शिक्षायाः प्रसिद्धे केन्द्रे प्रयागनगरे सम्पन्ना अभवत्। प्रयागनगरे सः श्रेष्ठराजनीतिज्ञानां सम्पर्के आगच्छत्। ततः एव तस्य राजनीतिकं जीवनम् आरब्धम्। विधिशिक्षायाः अध्ययनानन्ते सः अधिवक्तृरूपेण जीवकोपार्जनम् आरब्धवान।

(क) पण्डित गोविन्दबल्लभपन्तस्य उच्चशिक्षा कुत्र सम्पन्ना अभवत् ?
(ख) प्रयागनगरे सः केषां सम्पर्के आगच्छत् ? (ग) तस्य राजनैतिकं जीवनं कुतः आरब्धम् ?
(घ) अध्ययानन्ते सः किम् अकरोत् ?

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत : 2×2=4
(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः
प्रारभ्य विघ्नविहिताः विरमन्ति मध्याः।
विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः
प्रारभ्य चोत्तमजनाः न परित्यजन्ति।।

(क) नीचैः कार्यं किं न प्रारभ्यते ? (ख) विघ्नविहिताः मध्या किं कुर्वन्ति ?
(ग) कार्यं प्रारभ्य के न परित्यजन्ति ?

14. अधोलिखित प्रश्नेभ्यः **पञ्च** प्रश्नान् संस्कृत भाषयां पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×5 10
(निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

(क) बहवोः अम्भोदाः कुत्र वसन्ति ? (ख) कस्य आश्रयः सर्वदा कष्टकरः ?
(ग) कस्मै मांसभक्षणं न रोचते स्म ? (घ) उष्मतः पादपानां वर्णः कीदृशः भवति ?
(ङ) सागरान्तां गां के हरिष्यान्ति ? (च) 'गान्धारी' कस्य माता आसीत् ?
(छ) गोविन्दबल्लभपन्तः कस्य राज्यस्य मुख्यमंत्री अभवत् ? (ज) पृथिव्याः स्खलनात् किं जायते ?

15. निम्नांकित शब्द सूचीतः शब्दान् चित्वा **चत्वारि** वाक्यानि उत्तरपुस्तिकायां लिखत् – 1·4=4
(निम्नलिखित शब्दों में से **चार** शब्दों का संस्कृत में वाक्य प्रयोग कीजिये)

शब्द सूची– भूकम्पः, पर्वतानाम्, तेषाम्, परितः, पर्यावरणम्, यत्र–तत्र, विकसन्ति, जायते, पृच्छति, अग्रजः

16. (क) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं च कुरुत। (समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिये।) 1
वन्यपशुः **अथवा** इन्द्रसुतः
(ख) विभक्ति निर्देशनं कुरुत। (विभक्ति बताइए) : पितुः **अथवा** विद्यया 1
(ग) 'नदी' **अथवा** 'भवान्' शब्दस्य तृतीया विभक्ते एकवचनस्य रूपं लिखत। 1
('नदी' **अथवा** 'भवान्' शब्द का तृतीया विभक्ति के एकवचन का रूप लिखिए)
(घ) 'पठ्' **अथवा** 'लभ्' धातोः लोट् लकारस्य प्रथम पुरूषस्य एकवचनस्य रूपं लिखत। 1
('पठ्' **अथवा** 'लभ्' धातु का लोट् लकार, प्रथम पुरूष, एकवचन का रूप लिखिए।)
(ङ) (i) सन्धिं कुरुत। (संधि कीजिए) : बालकः + अपि **अथवा** निः + सरति 1
(ii) संधि विच्छेदं कुरुत। (सन्धि विच्छेद कीजिए।) : नमस्ते **अथवा** रामश्चलति 1

अथवा

अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं वर्जयन् कमपि अन्यं कंठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दी भाषायाम् तस्य अनुवादं कुरुत। 3+3=6
(कोई एक कंठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो, लिखिए और हिन्दी में उसका अनुवाद कीजिए।)

****

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com